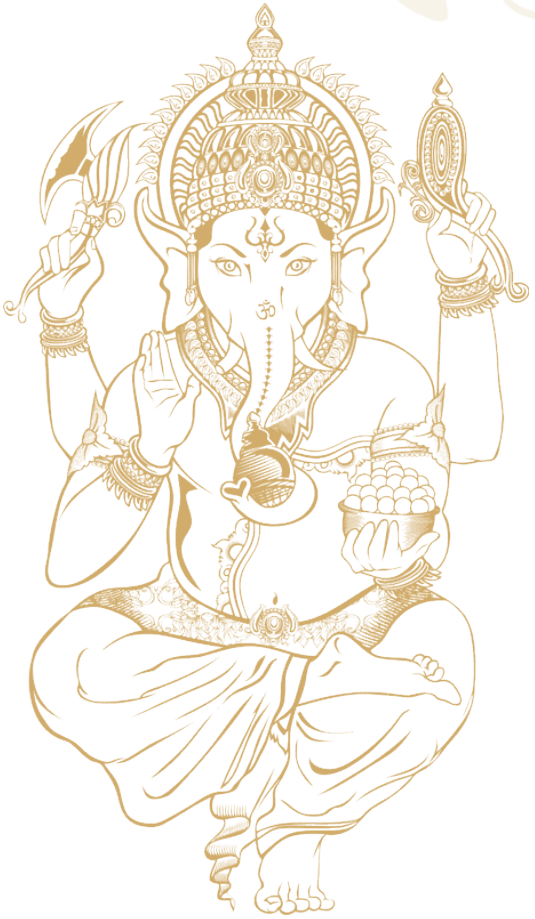

Pammi Singh

11 Jun 2002

05:47 AM

Howrah

Model: web-freekundliweb

Order No: 120825407

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**11/06/2002**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**05:47:00 घंटे**
इष्ट	02:18:27 घटी
स्थान	**Howrah**
राज्य	West Bengal
देश	India

अक्षांश	22:35:00 उत्तर
रेखांश	88:20:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:23:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:10:20 घंटे
वेलान्तर	00:00:27 घंटे
साम्पातिक काल	23:27:02 घंटे
सूर्योदय	04:51:37 घंटे
सूर्यास्त	18:20:56 घंटे
दिनमान	13:29:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	26:02:22 वृष
लग्न के अंश	08:04:28 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शूल
करण	किंस्तुघ्न
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वे-वैशाली
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	08:04:28	328:50:49	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			वृष	26:02:22	00:57:23	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	26:17:41	13:01:11	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मूलत्रिकोण
मंगल			मिथु	14:59:04	00:39:12	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	शत्रु राशि
बुध			वृष	07:40:47	00:10:43	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	मित्र राशि
गुरु			मिथु	24:44:40	00:12:35	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	01:36:36	01:10:38	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
शनि		अ	वृष	24:46:07	00:07:48	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
राहु	व		वृष	23:58:34	00:00:00	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	23:58:34	00:00:00	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	04:55:24	00:00:23	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	---
नेप	व		मक	16:52:56	00:00:52	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	22:17:15	00:01:36	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	27:08:18	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:11

लग्न-चलित

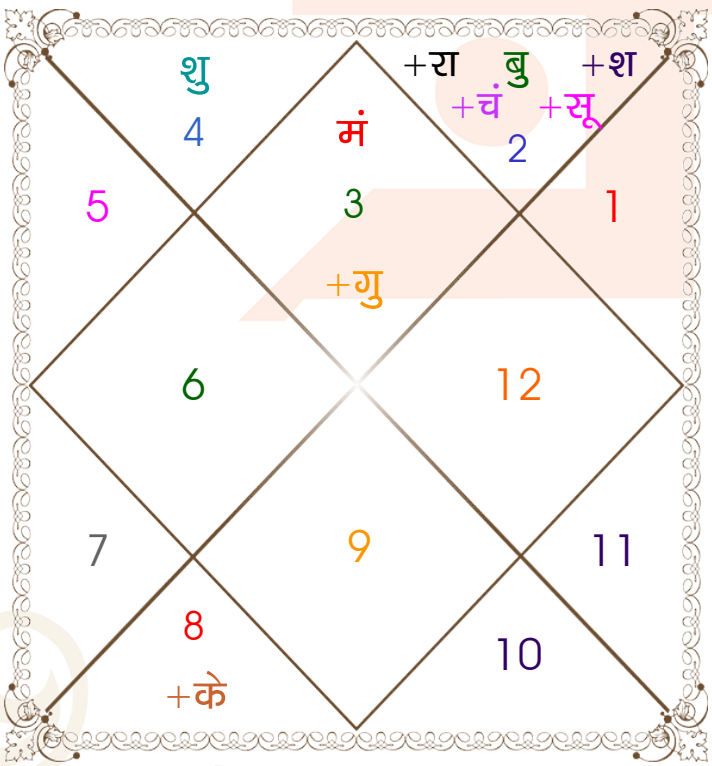

चन्द्र कुंडली

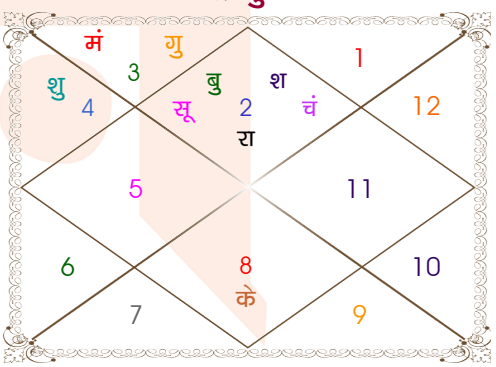

नवमांश कुंडली

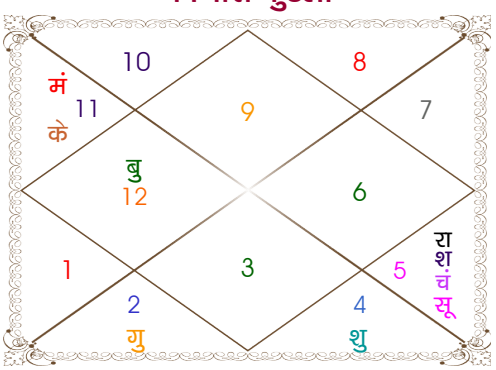

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 5 मास 10 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
11/06/2002		21/11/2007		20/11/2025		20/11/2041		20/11/2060	
21/11/2007		20/11/2025		20/11/2041		20/11/2060		20/11/2077	
	00/00/0000	राहु	03/08/2010	गुरु	08/01/2028	शनि	23/11/2044	बुध	19/04/2063
	11/06/2002	गुरु	26/12/2012	शनि	22/07/2030	बुध	03/08/2047	केतु	15/04/2064
गुरु	12/04/2003	शनि	02/11/2015	बुध	27/10/2032	केतु	11/09/2048	शुक्र	14/02/2067
शनि	21/05/2004	बुध	22/05/2018	केतु	02/10/2033	शुक्र	12/11/2051	सूर्य	21/12/2067
बुध	18/05/2005	केतु	09/06/2019	शुक्र	02/06/2036	सूर्य	23/10/2052	चंद्र	22/05/2069
केतु	15/10/2005	शुक्र	09/06/2022	सूर्य	22/03/2037	चंद्र	25/05/2054	मंगल	19/05/2070
शुक्र	15/12/2006	सूर्य	04/05/2023	चंद्र	22/07/2038	मंगल	04/07/2055	राहु	05/12/2072
सूर्य	22/04/2007	चंद्र	02/11/2024	मंगल	28/06/2039	राहु	10/05/2058	गुरु	13/03/2075
चंद्र	21/11/2007	मंगल	20/11/2025	राहु	20/11/2041	गुरु	20/11/2060	शनि	20/11/2077

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
20/11/2077		20/11/2084		21/11/2104		21/11/2110		21/11/2120	
20/11/2084		21/11/2104		21/11/2110		21/11/2120		00/00/0000	
केतु	18/04/2078	शुक्र	21/03/2088	सूर्य	10/03/2105	चंद्र	22/09/2111	मंगल	19/04/2121
शुक्र	18/06/2079	सूर्य	22/03/2089	चंद्र	09/09/2105	मंगल	22/04/2112	राहु	08/05/2122
सूर्य	24/10/2079	चंद्र	20/11/2090	मंगल	15/01/2106	राहु	22/10/2113	गुरु	12/06/2122
चंद्र	24/05/2080	मंगल	21/01/2092	राहु	10/12/2106	गुरु	21/02/2115		00/00/0000
मंगल	20/10/2080	राहु	20/01/2095	गुरु	28/09/2107	शनि	21/09/2116		00/00/0000
राहु	08/11/2081	गुरु	20/09/2097	शनि	09/09/2108	बुध	20/02/2118		00/00/0000
गुरु	15/10/2082	शनि	21/11/2100	बुध	16/07/2109	केतु	22/09/2118		00/00/0000
शनि	24/11/2083	बुध	22/09/2103	केतु	21/11/2109	शुक्र	22/05/2120		00/00/0000
बुध	20/11/2084	केतु	21/11/2104	शुक्र	21/11/2110	सूर्य	21/11/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 5 वर्ष 5 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करनी होगी। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होती है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलती रही तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगी। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगी।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहती हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाती हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकती हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेती हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेती हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहती हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करती हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाती। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही है। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेती हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करती हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करती हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहती हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देती हैं। निम्नांकित विन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।